एक के दो

एक चीनी लोककथा

एक के दो

जब मिस्टर हैकटक को अपने बगीचे में खुदाई करते समय एक तांबे का बर्तन मिला तो उन्हें इस बात का कोई अंदाज़ नहीं था कि वो उनके किस काम आएगा. घर लौटते वक्त मिस्टर हैकटक ने उस रहस्यमय बर्तन में अपने बटुए को रखा. बटुए में कुछ सिक्के थे.

फिर मिसेज़ हैकटक की हेयर-पिन गल्ती से बर्तन में गिर पड़ी. जब उन्होंने अपनी हेयर-पिन को उठाया तब जाकर उस बर्तन का रहस्य खुला. उस बर्तन में एक की बजाय दो बटुए मिले – यानि सिक्कों की संख्या दुगनी हो गई! अब हैकटक परिवार खुश हुआ. बर्तन से हर चीज़ दुगनी हो जाती थी. अब आगे से वो गरीब नहीं रहेंगे.

पर कोई भी जादू अक्सर अपने साथ परेशानियां भी लाता है. अगले दिन जश्न मनाते समय गल्ती से मिसेज़ हैकटक भी उस बर्तन में गिर गईं. वहां से उनकी परेशानियां शुरू हुईं....

एक के दो

एक चीनी लोककथा

बहुत पहले चीन में एक छोटे से घर में मिस्टर हैकटक और मिसेज़ हैकटक रहती थीं. वे बहुत गरीब थे. वे जो कुछ भी खाते थे वो उनके छोटे से खेत से आता था.
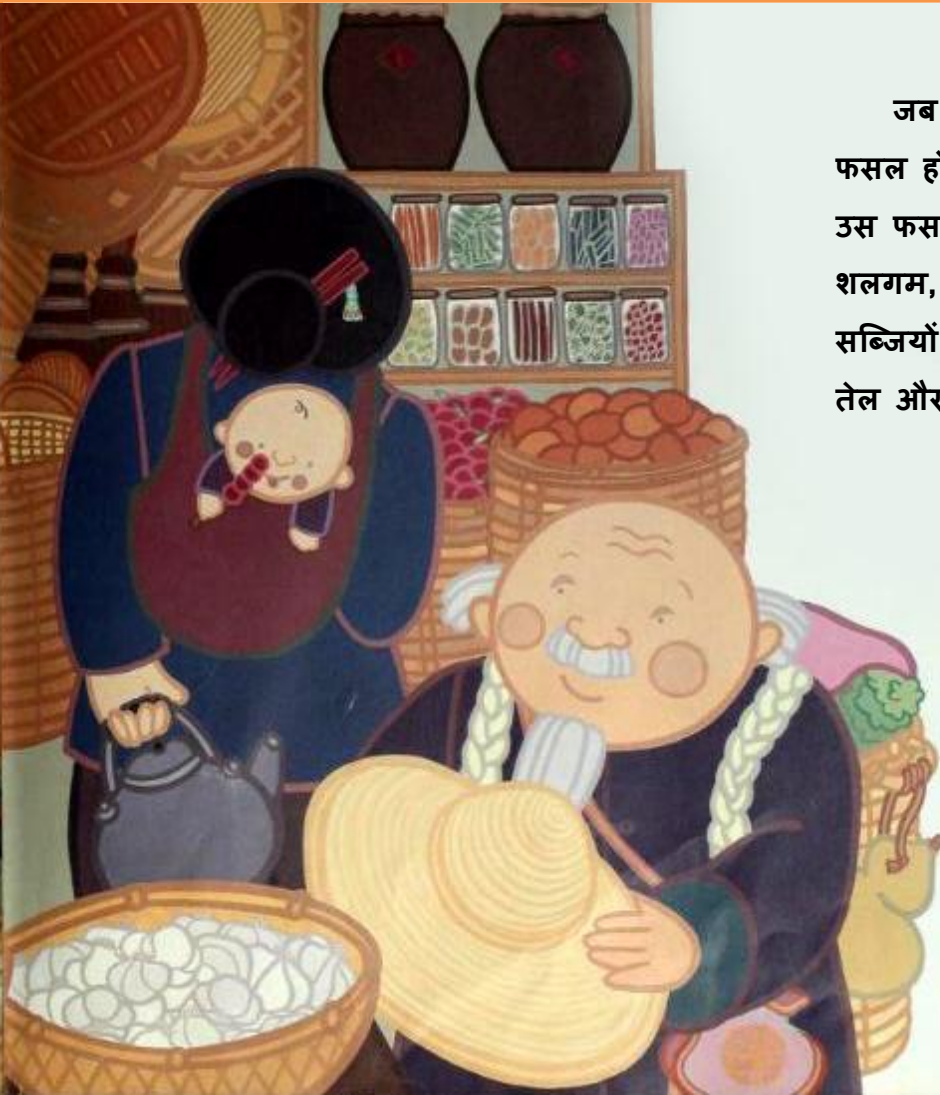
जब किसी साल बहुत अच्छी फसल होती, तब मिस्टर हैकटक उस फसल को गाँव में ले जाते. शलगम, आलू और अन्य सब्जियों के बदले में वो कपड़े, तेल और बीज आदि ले आते थे.

वसंत के मौसम में एक सुबह जब मिस्टर हैकटक अपने खेत में खुदाई कर रहे थे तब उनकी कुदाल किसी कठोर चीज़ से जाकर टकराई. तब उन्होंने कुछ गहरा खोदा. कुछ देर में उन्हें एक पुराना तांबे का बर्तन गढ़ा मिला. “यह बड़ी अजीब बात है. मैं तो इस खेत में बरसों से खुदाई कर रहा हूँ पर मुझे पहले कभी भी कोई गढ़ा हुआ बर्तन नहीं मिला! मैं उस बर्तन को घर ले जाऊँगा. शायद वो मिसेज़ हैकटक के किसी काम आ जाए.”
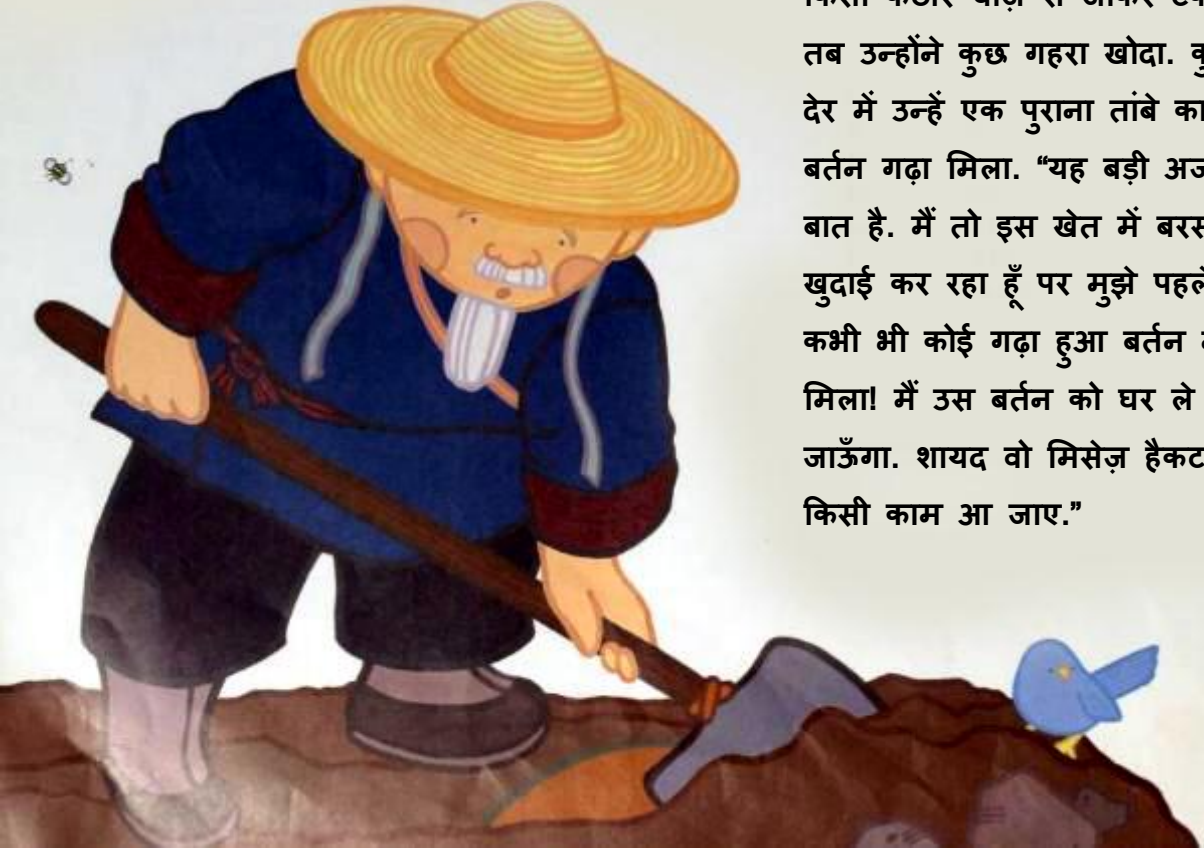
वो बर्तन काफी भारी था. बूढ़े मिस्टर हैकटक के लिए उसे उठा पाना भारी था. जब वो उसे उठाने के लिए झुके तो उनकी जेब में से आखिरी पांच सोने के सिक्के ज़मीन पर गिर पड़े. उन्होंने उन सिक्कों को अपने बटुए में डाले. फिर बटुए को उन्होंने उस बर्तन में रखा और घर की तरफ चले.

उनकी पत्नी घर के दरवाज़े पर ही खड़ी थीं. उन्होंने कहा, “यह बर्तन तो देखने में बड़ा अजीब लगता है!” फिर मिस्टर हैकटक ने अपनी पत्नी को उस बर्तन की पूरी कहानी सुनाई. “मुझे पता नहीं कि हम इसका क्या करेंगे,” मिसेज़ हैकटक ने कहा. “यह बर्तन पकाने के लिए बहुत बड़ा है, और नहाने के लिए बहुत छोटा है.”

फिर जब मिसेज़ हैकटक ने उस बर्तन में झाँक कर देखा तो उनकी एकलौती हेयर-पिन उसमें गिर गई. उसके बाद उन्होंने बर्तन में हाथ डालकर हेयर-पिन को खोजा. उसके बाद उनकी गोल-गोल आँखें एकदम चमकने लगीं.

"अरे देखो!" वो चिल्लाईं. "इस बर्तन में मेरी एक हेयर-पिन, दो बन गईं. और देखो! तुम्हारा बटुए भी एक से दो बन गए. दोनों बिल्कुल एक-जैसे. दोनों बटुओं में अब पांच-पांच सोने के सिक्के हैं!"

यह सुनकर मिस्टर हैकटक इतने खुश हुए कि वो ऊपर-नीचे उछलने लगे. "चलो सर्दियों में पहनने वाले अपने मोटे कोट को मैं अब बर्तन में डालकर देखता हूँ. अगर एक कोट के दो हो जाते हैं तो बहुत अच्छा होगा. फिर सर्दियों में तुम्हें भी ठंड नहीं लगेगी." फिर उन्होंने अपने कोट को उस बर्तन में डाला. तुरंत उसमें से दो कोट बाहर निकले.

फिर वो लोग अपने घर में अन्य चीज़ों को ढूँढने लगे जिन्हें वो उस जादुई बर्तन में डाल सकें. "काश हमारे पास कुछ गोश्त होता," मिस्टर हैकटक ने अपनी इच्छा ज़ाहिर की, "या फिर कोई फल या स्वादिष्ट मिठाई होती."

मिसेज़ हैकटक मुस्कुराईं. "अब मुझे पता है, कि हम जो भी मांगेंगे वो हमें मिलेगा," उन्होंने कहा. उन्होंने दसों सोने के सिक्कों को एक बटुए में रखा. फिर उन्होंने उस बटुए को जादुई बर्तन में डाला. तुरंत एक के दो बटुए हो गए, और दस के बीस सिक्के हो गए.

"मेरी पत्नी कितनी होशियार है!" मिस्टर हैकटक ने कहा. "हर बार जब हम यह काम करते हैं तो हमारी पूँजी पहले से दुगनी हो जाती है!"

उसके बाद हैकटक दंपत्ति इस काम को देर रात तक दोहराता रहा. वो बार-बार बर्तन में सिक्के डालकर उन्हें दुगना करते रहे. कुछ ही देर में उनका पूरा फर्श सोने के सिक्कों से भर गया.

जब सुबह हुई तो मिस्टर हैकटक एक लम्बी सूची के साथ गाँव के बाज़ार में चीज़ें खरीदने गए. इस बार उनकी टोकरी में सब्जियों की बजाए सोने के सिक्के भरे थे.

मिसेज़ हैकटक ने घर का सारा काम निबटाया और फिर वो एक प्याला चाय पीने के लिए आराम से बैठीं. वो चाय की चुस्की लेती रहीं और साथ में उस तांबे के बर्तन को भी प्रशंसा की निगाह से देखती रहीं.

फिर अपना एहसान जताते हुए उन्होंने उस बर्तन को अपने गले लगाया. "प्रिय बर्तन मुझे पता नहीं कि तुम कहाँ से आए. पर तुम मेरे सबसे पक्के मित्र हो." फिर वो झुककर बर्तन के अन्दर झांककर देखने लगीं.

उसी समय मिस्टर हैकटक घर वापिस आए. उनके दोनों हाथों में इतना सामान लदा था कि उन्होंने पैर से धक्का मारकर घर का दरवाजा खोला. धड़ाम! उससे मिसेज़ हैकटक एकदम घबरा गईं. उनका संतुलन बिगड़ गया और वो उस जादुई बर्तन में खुद गिर पड़ीं!

मिस्टर हैकटक दौड़कर गए और उन्होंने अपनी पत्नी का एक पैर पकड़ लिया. उन्होंने बहुत ज़ोर लगाकर खींचा. फिर बहुत मुश्किल से मिसेज़ हैकटक बर्तन से बाहर आईं. पर जब मिस्टर हैकटक ने बर्तन में दुबारा झाँका तो उसमें से दो और पैर बाहर निकल रहे थे! उन्होंने उन पैरों को भी खींचकर बर्तन के बाहर निकाला.

उस बर्तन में से एक और महिला बाहर निकली. वो देखने में बिल्कुल मिसेज़ हैकटक जैसी ही थी.

नई मिसेज़ हैकटक को कुछ समझ में नहीं आया. वो ज़मीन पर बैठ गईं. शुरू में तो पहली मिसेज़ हैकटक कुछ देर रोईं. “देखो! मैं तुम्हारी एकलौती पत्नी हूँ. उस औरत को तुरंत उस जादुई बर्तन में वापिस डालो!”

मिस्टर हैकटक अपनी पत्नी पर चिल्लाए, “नहीं! नहीं! अगर मैंने उसे वापिस बर्तन में डाला तो फिर मेरी दो नहीं तीन पत्नियाँ होंगी! मेरे लिए सिर्फ एक पत्नी ही काफी है!”

मिस्टर हैकटक अपनी गुस्सैल पत्नी से पीछे हटे. दुर्भाग्य से वो भी उस जादुई बर्तन में गिर पड़े!

फिर दोनों मिसेज़ हैकटक उठीं और उन्होंने मिस्टर हैकटक को बचाने की कोशिश की. दोनों ने उनकी एक-एक टांग पकड़कर खींची. पर उसके बाद भी बर्तन में दो और पैर थे! उसके बाद उन्होंने दूसरे मिस्टर हैकटक को भी बर्तन में से बाहर निकाला.

अब भला हम एक और मिस्टर हैकटक का क्या इस्तेमाल करें?" मिस्टर हैकटक गुस्से में चिल्लाए.

"यह बर्तन उतना अच्छा नहीं है, जितना हमने सोचा था. अब हमारी मुश्किलें भी दुगनी हो गई हैं!"

पर जब पति चीख-चिल्ला रहे थे तब उनकी पत्नी सोच रही थीं.
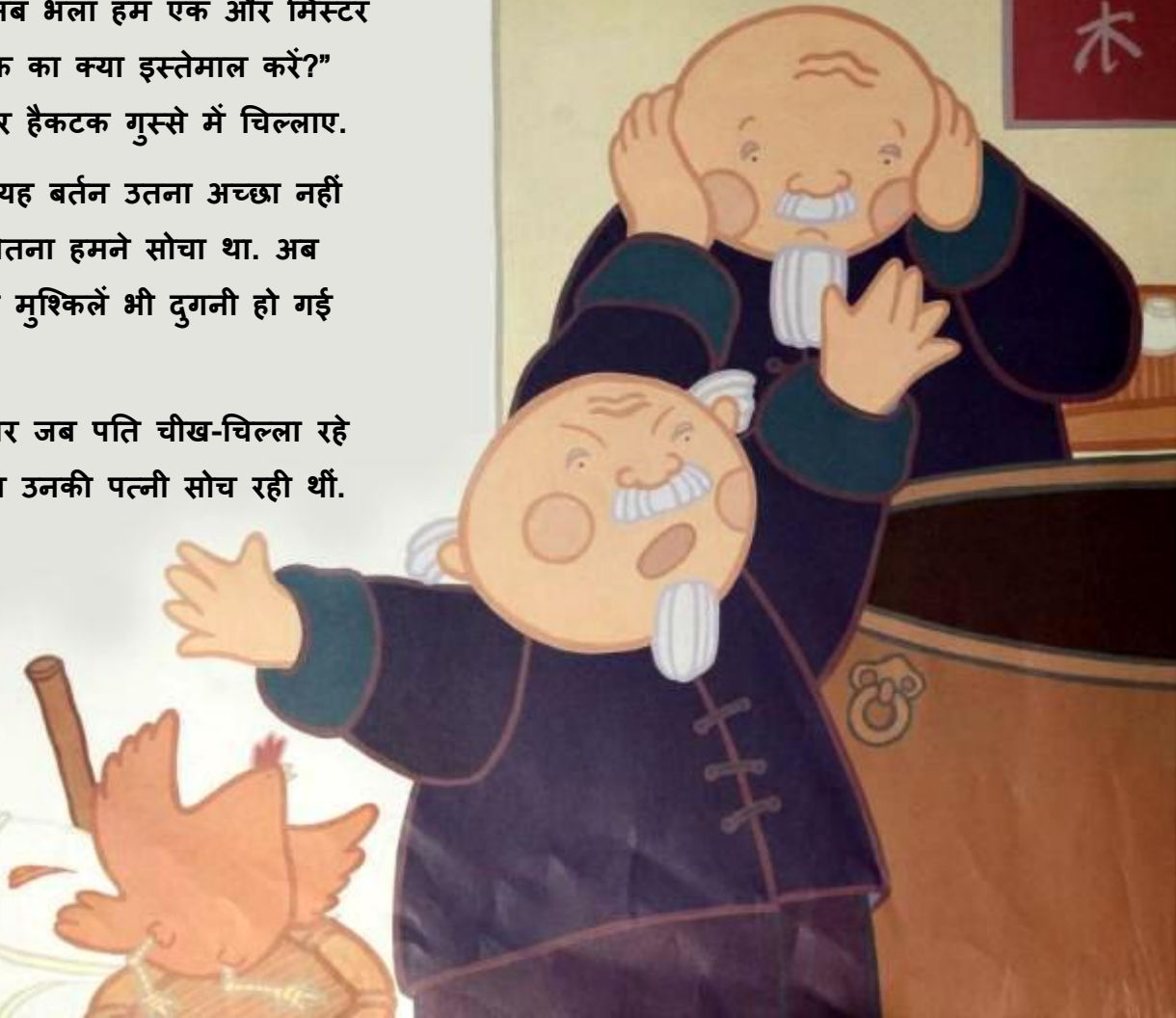
“ज़रा शांत हो,” उन्होंने कहा. “यह अच्छी बात है कि दूसरी मिसेज़ हैकटक का अपना मिस्टर हैकटक हो. फिर हम दोनों दंपत्ति एक-दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त बन सकते हैं. देखो हम लोग सब बिल्कुल एक-जैसे हैं इसलिए वो आदमी तुम्हारा भाई जैसा होगा और वो महिला मेरी बहन जैसी होगी. उस बर्तन से हम हमेशा चीज़ों को दुगना करते रहेंगे, इसलिए हमारे पास कभी भी किसी चीज़ की कमी नहीं होगी.”

और अंत में उन्होंने यही किया. हैकटक दंपत्ति ने दो एक-जैसे आलीशान घर बनवाए. दोनों घरों में बिल्कुल एक-जैसी चाय की केतलियाँ, भात खाने के कटोरे, रेशम के कपड़े और बांस का फ़र्नीचर था.
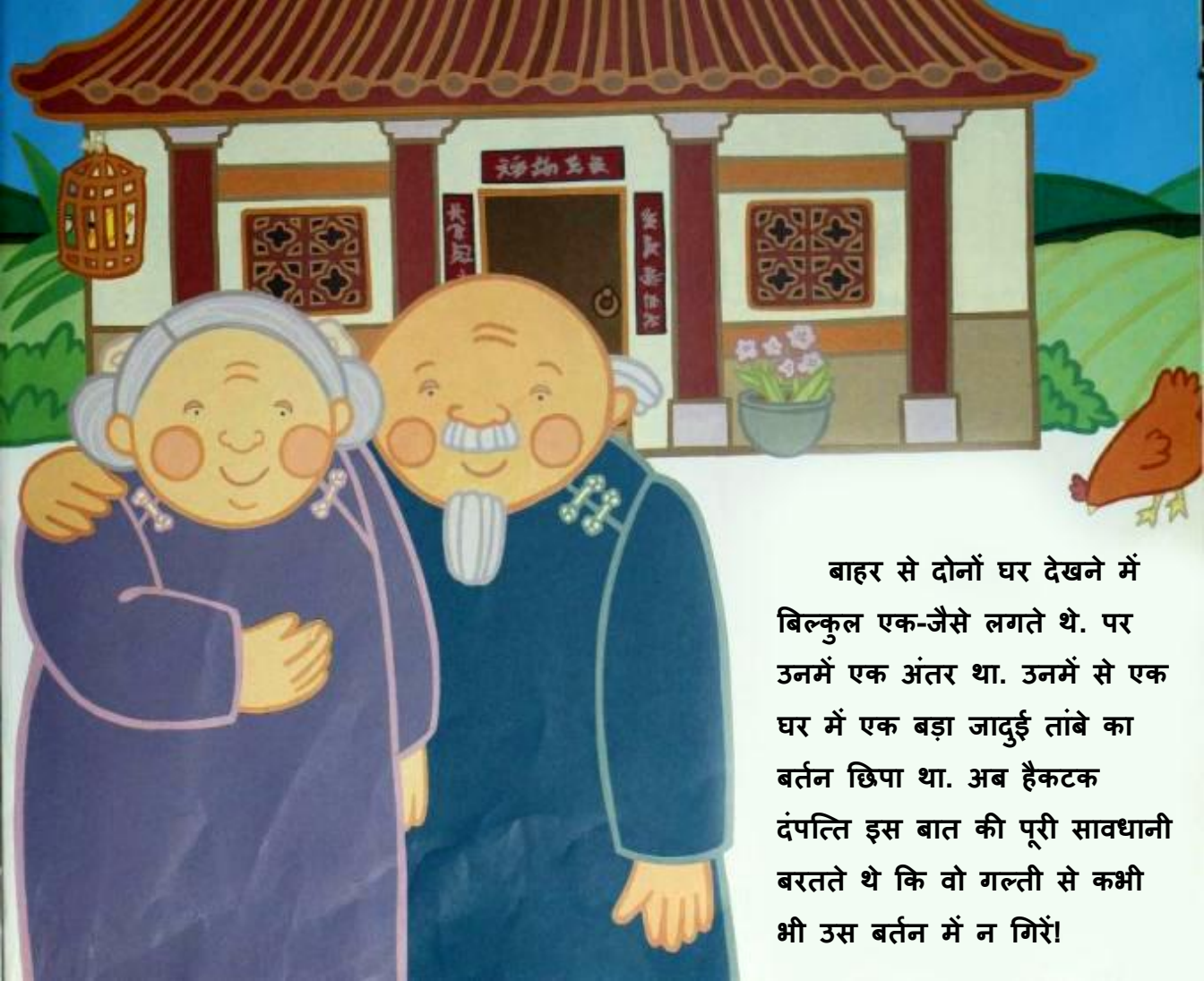
बाहर से दोनों घर देखने में बिल्कुल एक-जैसे लगते थे. पर उनमें एक अंतर था. उनमें से एक घर में एक बड़ा जादुई तांबे का बर्तन छिपा था. अब हैकटक दंपत्ति इस बात की पूरी सावधानी बरतते थे कि वो गल्ती से कभी भी उस बर्तन में न गिरें!

नए हैकटक दंपत्ति और पुराने हैकटक दंपत्ति एक-दूसरे के अच्छे दोस्त बने. पड़ोसियों ने सोचा कि हैकटक इतने अमीर हो गए, कि उन्होंने हर चीज़ को दुगना करने के फैसला किया – खुद को भी!